श्रमिव्यंजना

कविता-संग्रह) धारिक्ष वस्ति प्रस्तवन संग्रह



रचयिता-भगवानदास तिवारी आमुल लेखक-डॉ॰ शिवमंगलिसह "सुमन" एम॰ ए॰, डी॰ लिट्॰ छुम।र-ग्रन्थमाला-प्रकाशन, इन्दोर.